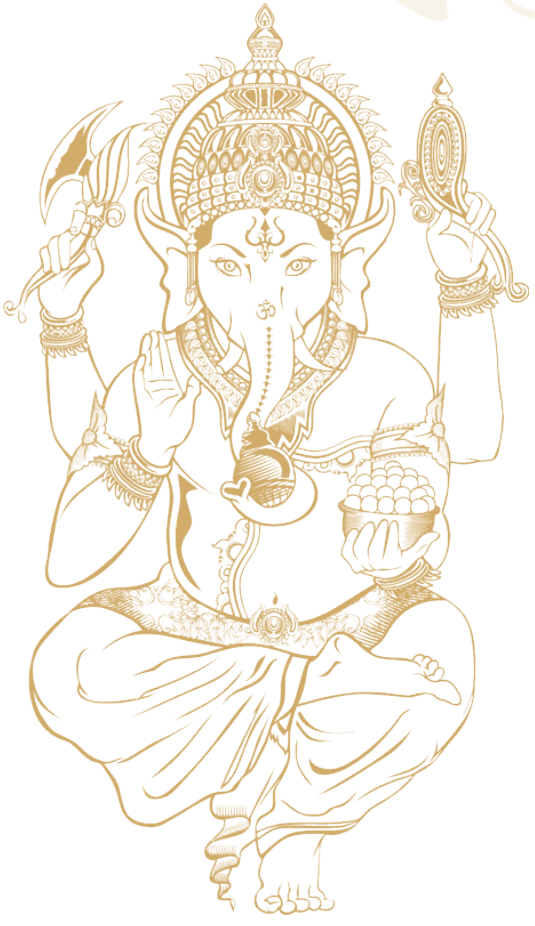

Nancy gupta

27 Jul 1997

05:05 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121678802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/07/1997**
दिन	रविवार
जन्म समय	**17:05:00 घंटे**
इष्ट	29:01:48 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:58:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	13:19:21 घंटे
सूर्योदय	05:28:16 घंटे
सूर्यास्त	18:57:05 घंटे
दिनमान	13:28:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	10:38:50 कर्क
लग्न के अंश	12:51:25 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:51:25	342:04:04	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कर्क	10:38:50	00:57:21	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मेष	19:42:53	13:34:06	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			कन्या	25:34:38	00:34:12	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	06:45:14	01:15:47	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	24:50:57	00:07:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	10:54:28	01:12:10	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:30:52	00:00:32	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	27:00:35	00:01:00	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:00:35	00:01:00	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	12:58:01	00:02:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:34:43	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:04:59	00:00:33	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	27:38:51	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:22

लग्न-चलित

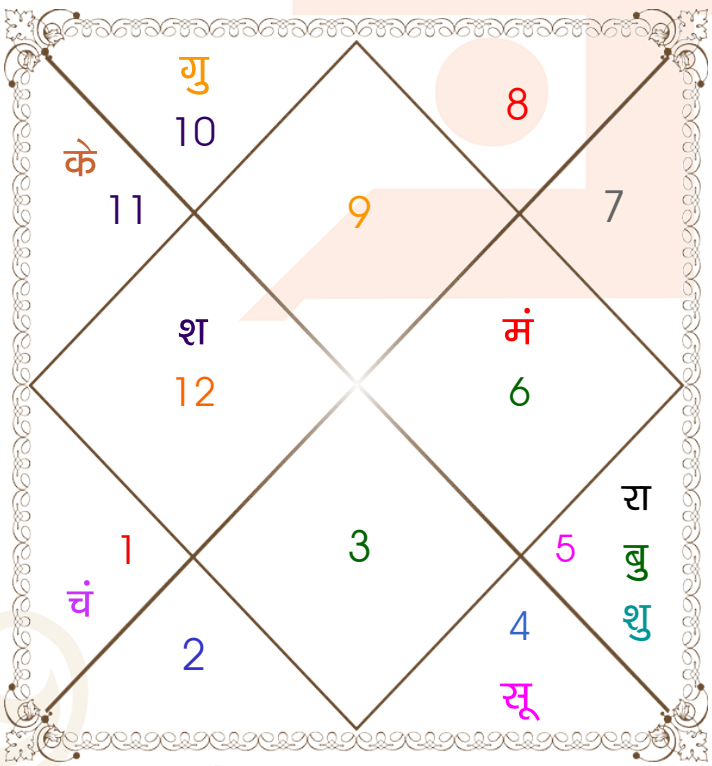

चन्द्र कुंडली

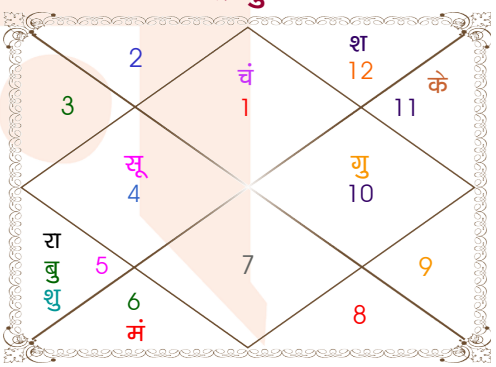

नवमांश कुंडली

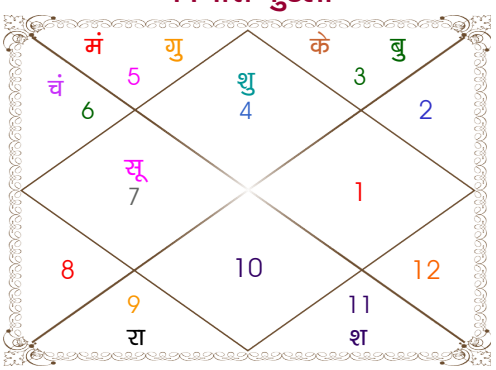

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 5 मास 4 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/07/1997		31/12/2007		31/12/2013		31/12/2023		31/12/2030	
31/12/2007		31/12/2013		31/12/2023		31/12/2030		30/12/2048	
	00/00/0000	सूर्य	19/04/2008	चंद्र	31/10/2014	मंगल	28/05/2024	राहु	12/09/2033
	00/00/0000	चंद्र	18/10/2008	मंगल	01/06/2015	राहु	16/06/2025	गुरु	06/02/2036
	00/00/0000	मंगल	23/02/2009	राहु	30/11/2016	गुरु	23/05/2026	शनि	13/12/2038
	27/07/1997	राहु	18/01/2010	गुरु	01/04/2018	शनि	01/07/2027	बुध	01/07/2041
राहु	01/03/1998	गुरु	06/11/2010	शनि	31/10/2019	बुध	28/06/2028	केतु	19/07/2042
गुरु	30/10/2000	शनि	19/10/2011	बुध	01/04/2021	केतु	24/11/2028	शुक्र	19/07/2045
शनि	31/12/2003	बुध	24/08/2012	केतु	31/10/2021	शुक्र	24/01/2030	सूर्य	13/06/2046
बुध	31/10/2006	केतु	30/12/2012	शुक्र	01/07/2023	सूर्य	01/06/2030	चंद्र	13/12/2047
केतु	31/12/2007	शुक्र	31/12/2013	सूर्य	31/12/2023	चंद्र	31/12/2030	मंगल	30/12/2048

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/12/2048		30/12/2064		31/12/2083		31/12/2100		01/01/2108	
30/12/2064		31/12/2083		31/12/2100		01/01/2108		00/00/0000	
गुरु	17/02/2051	शनि	03/01/2068	बुध	29/05/2086	केतु	29/05/2101	शुक्र	03/05/2111
शनि	31/08/2053	बुध	12/09/2070	केतु	26/05/2087	शुक्र	30/07/2102	सूर्य	02/05/2112
बुध	07/12/2055	केतु	22/10/2071	शुक्र	26/03/2090	सूर्य	04/12/2102	चंद्र	01/01/2114
केतु	12/11/2056	शुक्र	22/12/2074	सूर्य	30/01/2091	चंद्र	05/07/2103	मंगल	03/03/2115
शुक्र	14/07/2059	सूर्य	04/12/2075	चंद्र	01/07/2092	मंगल	02/12/2103	राहु	28/07/2117
सूर्य	01/05/2060	चंद्र	04/07/2077	मंगल	28/06/2093	राहु	19/12/2104		00/00/0000
चंद्र	31/08/2061	मंगल	13/08/2078	राहु	15/01/2096	गुरु	25/11/2105		00/00/0000
मंगल	07/08/2062	राहु	19/06/2081	गुरु	22/04/2098	शनि	04/01/2107		00/00/0000
राहु	30/12/2064	गुरु	31/12/2083	शनि	31/12/2100	बुध	01/01/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 5 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।